लोकतंत्र की आत्मा है - संवाद

हरियाणा संवाद

पाक्षिक 1-15 जुलाई 2022 www.haryanasamvad.gov.in अंक -45

“ मनुष्य गुणों से उत्तम बनता है, न कि ऊंचे आसन पर बैठने से।

: चाणक्य

प्रदेश के 52 खिलाड़ियों को भीम अवार्ड

3

योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं: सीएम

5

दसवीं व बारहवीं की परीक्षाओं में अव्वल रही बेटियां

7

निकाय चुनाव सरकार को मिला जनादेश

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विशेष प्रतिनिधि

प्रदेश की सभी नगर परिषद व नगर पालिकाओं का चुनाव संपन्न हो गया। चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार को बड़ी सफलता मिली। 18 नगर परिषदों में से 10 के अध्यक्ष पद पर भाजपा की जीत हुई। इनमें गोहाना, जींद, झज्जर, बहादुरगढ़, चरखी दादरी, कालका, सोहना, फतेहाबाद, कैथल, पलवल हैं। वहीं हांसी, नरवाना, नारनौल, टोहाना, भिवानी, होडल में निर्दलीय उम्मीदवार जीते। नूंह में अध्यक्ष पद पर जजपा प्रत्याशी ने जबकि मंडी डबवाली में इनेलो समर्थित उम्मीदवार ने जीत दर्ज़ की।

कुल 28 नगर पालिकाओं में से 16 में सत्तारूढ़ भाजपा -जजपा गठबंधन के उम्मीदवार अध्यक्ष पद का चुनाव जीत गए। पांच नगर पालिकाओं में कांग्रेस समर्थित तथा 5 में ही निर्दलीय उम्मीदवारों ने अध्यक्ष पद का चुनाव जीता। आम आदमी पार्टी और इनेलो के प्रत्याशी एक-एक नगर पालिका में अध्यक्ष चुने गए।

निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक हुए चुनाव

हरियाणा राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने प्रदेश में 18 नगर परिषद और 28 नगरपालिकाओं में हुए चुनाव के बाद घोषित नतीजों को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष बताया । उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में जनता का अपने प्रतिनिधियों के चुनाव के लिए आगे आना प्रजातंत्र की सफलता है। इन निकायों में लगभग 20 लाख मतदाताओं को मताधिकार था। लगभग सभी परिणाम घोषित कर दिए गए। ड्रॉ आफ लॉटस की कोई स्थिति नहीं आई।

उन्होंने बताया कि 18 नगर परिषदों में कुल 456 वार्ड थे। इसमें 54 वार्ड एससी, 36 एससी महिलाओं, 123 महिलाओं के लिए आरक्षित तथा 243 वार्ड सामान्य वर्ग से थे। इसी तरह नगर पालिका में कुल 432 वार्डो में 53 एससी, 37 एससी महिलाओं, 116 महिलाओं के लिए तथा 226 वार्ड आरक्षित कोटे से बाहर थे।

प्रदेश की जनता ने 2014 से अब तक लगातार राज्य सरकार के कार्यों पर भरोसा जताते हुए भाजपा की विचारधारा में विश्वास व्यक्त किया है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि आगामी पंचायती चुनावों में भी प्रदेश के लोग ऐसा ही परिणाम देंगे।

- मुख्यमंत्री मनोहर लाल

हरियाणा के निकाय चुनावों में भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार की शानदार जीत के लिए दोनों दलों के कार्यकर्ताओं को बधाई। फिर साबित हो गया है कि प्रदेश की जनता ने राज्य सरकार में विश्वास व्यक्त किया है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

हरियाणा के निकाय चुनावों में जो परिणाम आए हैं उनके लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल, उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला व पार्टी अध्यक्ष ओ पी धनखड़ व पार्टी के तमाम पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को ढ़ेर सारी बधाई। इन परिणामों से राज्य सरकार की कार्यशैली परिलक्षित होती है।

- अमित शाह, गृहमंत्री

नगर पालिका		
नारायणगढ़	आजाद	रिंकी
रतिया	आजाद	प्रीति खन्ना
भूना	आजाद	अर्पणा
बरवाला	आजाद	रमेश बेट्रीवाला
सफीदों	आजाद	अनीता रानी
उचाना	आजाद	विकास
ईसमाइलाबाद	आप	निशा कानो
शाहबाद	जजपा	गुलशन
पेहोवा	भाजपा	आशीष शर्मा
लाडवा	भाजपा	साक्षी खुराना
घरौंडा	भाजपा	हैपी लक्की गुप्ता
तरावड़ी	आजाद	वीरेन्द्र कुमार
निसिंग	आजाद	रोमी सिंगला
असंध	आजाद	सतीश कटारिया
चीका	जजपा	रेखा रानी
राजौंद	भाजपा	बबीता
महेन्द्रगढ	भाजपा	रमेश सैनी
नांगल चौधरी	भाजपा	प्रिया सैनी
फिरोजपुर झिरका	भाजपा	मनीष कुमार
पुन्हाना	भाजपा	बलराज
समालखा	भाजपा	अशोक कुमार
महम	आजाद	भारती
बावल	आजाद	वीरेन्द्र सिंह
गन्नौर	भाजपा	अरूण कुमार
कुण्डली	भाजपा	शिमला
ऐलनाबाद	आजाद	रामसिंह सोलंकी
रानिया	आजाद	मनोज सचदेवा
सढ़ौरा	भाजपा	शालिनी

नगर परिषद	दल	उम्मीदवार
गोहाना	भाजपा	रजनी वीरमानी
भिवानी	आजाद	प्रीति
चरखी दादरी	भाजपा	बख्शी सैनी
फतेहाबाद	भाजपा	राजेन्द्र सिंह
टोहाना	आजाद	नरेश कुमार
सोहना	भाजपा	अंजू
हांसी	आजाद	प्रवीन एलाबादी
नरवाना	आजाद	मुकेश रानी
जीन्द	भाजपा	अनुराधा सैनी
झज्जर	भाजपा	जिले सिंह
बहादुरगढ़	भाजपा	सरोज राठी
कैथल	भाजपा	सुरभि गर्ग
नारनौल	आजाद	कमलेश
नूह	जजपा	संजय कुमार
कालका	भाजपा	कृष्ण कुमार लाम्बा
पलवल	भाजपा	यशपाल
होडल	आजाद	इन्द्रेश कुमारी
मण्डी डबवाली	इनेलो	टेकचंद छाबड़ा

सरकार की ईमानदारी पर पूरा भरोसा

मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार ने जिस मेहनत, ईमानदारी व कर्त्तव्यनिष्ठा से राज्य में शासन-प्रशासन की व्यवस्था स्थापित की है उस पर प्रदेश की जनता ने एक बार फिर वोट के जरिए अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं। इस बात को प्रबल समर्थन मिला है कि मनोहर सरकार सबका साथ लेते हुए सबका विकास कर रही है और एक समान कर रही है। बिना किसी भेदभाव के पूरे प्रदेश में विकास कार्य हो रहे हैं।

सरकार के हर कामकाज में पारदर्शिता देखने को मिल रही है, जो प्रदेश के लोगों के लिए सबसे बड़ी बात है। यही विषय सरकार व जनता के लिए सबसे बड़ी चुनौती था। मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने इस चुनौती को स्वीकार किया और ‘हरियाणा एक हरियाणवी एक’ की नीति पर चलते हुए किसी भी कमजोर अथवा पूर्वाग्रह से समझौता नहीं किया। भाई भतीजावाद, क्षेत्रवाद व अन्य वादों को जड़ से मिटाने का काम किया। जिसका परिणाम यह है कि किसी भी जन प्रतिनिधि के पीछे कार्यकर्ताओं या कार्य कराने वाले लोगों की भीड़ नजर नहीं आती।

‘नो पर्ची-नो खर्ची’ की नीति ने पूरा परिदृश्य ही बदल दिया। जो युवा नौकरी के लिए जुगाड़बाजी का प्रयास करते थे, वे अब प्रतियोगी परीक्षाओं के पाठ्यक्रम की चर्चा करते हैं। न केवल चर्चा करते हैं स्कूल, कॉलेज व कोचिंग सेंटरों पर पढ़ाई भी कर रहे हैं।

काबिलियत के आधार पर नौकरियों की व्यवस्था के अलावा लगभग सभी विभागों के कर्मचारियों के तबादले ऑनलाइन किए गए हैं। इन्हीं दो चीजों के लिए सबसे ज्यादा मारामारी रहती थी। इतना ही नहीं सरकारी कामकाज की निविदाएं व आवंटन प्रक्रिया को भी ऑनलाइन किया गया है।

डिज़िटलाइजेशन से सरकार के कामकाज में न केवल पारदर्शिता आई है बल्कि कामकाज में तेजी भी आई है। 500 से अधिक सरकारी सेवाओं का फायदा लोगों को ऑनलाइन मिल रहा है। लोगों को अब सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। शिक्षा, चिकित्सा, उद्योग व कृषि क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है। युवाओं को लगातार नौकरियों में अवसर मिल रहे हैं। इनके अलावा राज्य सरकार अंत्योद्य मेलों के जरिए गरीब परिवारों को ‘आत्मनिर्भर’ बना रही है।

चौबीस घंटे बिजली की उपलब्धता की किसी ने कल्पना भी नहीं की थी, वह आज सामान्य सी लगने लगी है। सड़कों का निर्माण निरंतर हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में तालाबों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है जिससे आने वाले दिनों में ग्रामीण अंचल की सूरत ही बदल जाएगी। पेयजल व सीवरेज पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

इनके अलावा और भी बहुत से पहलुओं पर गौर करते हुए प्रदेश की जनता ने निकाय चुनावों के जरिए मनोहर सरकार पर पूरा भरोसा जताया है।

–मनोज प्रभाकर

संपादकीय

रचनात्मक ऊर्जा

'सबका विश्वास सबका विकास' के मूलमंत्र को कार्यशैली का मूल आधार बनाते हुए प्रदेश में मुख्यमंत्री के दिशा निर्देशों में निरंतर सक्रियता अब धीरे-धीरे तीव्र रचनात्मकता की ओर बढ़ रही है। एक ओर निरंतर नवनिर्माण की चुनौती रही है तो दूसरी ओर लोकतंत्र की दहलीज पर स्थानीय निकायों के चुनाव भी पूर्णतया शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हो चुके हैं।

इसी महत्वपूर्ण घटना से पूर्व 'खेलो इंडिया' का सफ़ल आयोजन, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, खेल अकादमी और अब 'ड्रोन-क्रांति' के ठोस फैसलों ने प्रदेश की कार्य संस्कृति को नई ऊर्जा प्रदान की है।

'अग्निपथ-योजना' पर मुख्यमंत्री की बेबाकी का सुखद परिणाम यह निकला है कि प्रदेश में युवा शक्ति कहीं भी अधिक हताश या निराश दिखाई नहीं देती। वस्तुतः युवा शक्ति के समक्ष भविष्य के अनेक विकल्प मौजूद हों तो ऐसे निरर्थक विरोधी-स्वरों की ओर ध्यान हीं नहीं जाता।

खेलकूद कभी मात्र व्यायाम तक सीमित था, अब इसे व्यावसायिक संभावनाओं की डगर भी माना जाता है।

साहित्य, कला, संस्कृति व विरासत की समृद्धि के क्षेत्र में नए-नए आयाम तलाशे जाने की सक्रियता बराबर बनी हुई है। ऐसा परिवेश, विकास एवं नवनिर्माण के लिए नई सोच व नव ऊर्जा भी प्रदान करता है। सुखद बात यह है कि इस दिशा में लोकतांत्रिक संस्थान व प्रशासन तंत्र, दोनों ही पूरी सक्रियता दिखाई दे रहे हैं।

-डॉ. चन्द्र त्रिखा

राष्ट्रपति चुनाव: नामांकन प्रस्ताव पर हुए हस्ताक्षर

राष्ट्रपति चुनाव के संदर्भ में एनडीए प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू के नामांकन प्रस्ताव के लिए हरियाणा निवास में हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों की उपस्थिति में दोनों राज्यों के सांसदों व विधायकों ने हस्ताक्षर किए।

द्रौपदी मुर्मू की दावेदारी को मजबूत करने के लिए दोनों मुख्यमंत्रियों की अध्यक्षता में सांसदों व विधायकों की बैठक हुई। हरियाणा से भाजपा, जजपा व निर्दलीय विधायकों ने फार्म- 11 पर हस्ताक्षर किए। हिमाचल के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की अध्यक्षता में उनके मंत्रियों व विधायकों ने बैठक में हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि राष्ट्रपति पद के लिए पहली बार देश को आदिवासी महिला के रूप में उम्मीदवार मिली है। महिला सशक्तिकरण को लेकर केंद्र सरकार व एनडीए का यह सराहनीय फैसला है।

अग्निवीरों को नौकरी की गारंटी

खिलाड़ियों को खेल कोटे के अंतर्गत नौकरी देने वाली हरियाणा सरकार ने अब अग्निपथ योजना के तहत सेवानिवृत्त होकर आने वाले अग्निवीरों को हरियाणा में नौकरी की गारंटी दी है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि जो कोई अग्निवीर हरियाणा सरकार की सेवाओं में शामिल होना चाहता है, उसे नौकरी दी जाएगी। अग्निवीरों को ग्रुप सी अथवा हरियाणा पुलिस की नौकरी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने युवाओं से साफ कहा कि वे देश की चिंता करें उनकी चिंता हम करेंगे।

हरियाणा अग्निवीरों को नौकरी सुनिश्चित करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। यह हरियाणा सरकार का अग्निवीरों के लिए नायाब तोहफा है। इससे निश्चित तौर पर युवाओं का सेना के प्रति अधिक रुझान बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'अग्निपथ' योजना से तीनों सेनाओं की मानव संसाधन नीति में एक नए युग की शुरुआत हुई है। यह केंद्र सरकार द्वारा किया गया एक प्रमुख रक्षा नीति सुधार है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्निपथ युवाओं के लिए ही नहीं बल्कि सेना के लिए भी बेहतर योजना है। जहां एक तरफ अग्निपथ योजना से देश की सेना शक्तिशाली होगी, वहीं दूसरी तरफ चार साल की राष्ट्रसेवा के बाद हमारे अग्निवीर बेहतर समाज निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगे। अग्निपथ योजना से नौजवानों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, इससे हरियाणा के युवाओं को काफी फायदा होगा।

गौरतलब है कि हरियाणा सरकार द्वारा उत्कृष्ट खिलाड़ियों को आउटस्टैंडिंग स्पोर्ट्स पर्सन पॉलिसी के तहत सीधी नौकरी दी जाती है। खिलाड़ियों के लिए ग्रुप सी में 3 प्रतिशत तो डी में 10 प्रतिशत कोटा तय किया गया है। खेल विभाग की उत्कृष्ट खिलाड़ी रोजगार नीति के बाद हरियाणा सरकार ने मातृभूमि की रक्षा को समर्पित सेना के जवान अग्निवीरों को नौकरी देने का बड़ा फैसला लिया है, जिससे उनका भविष्य सुरक्षित होगा।

फार्मा कंपनियों के लिए अब ऑनलाइन लाइसेंस

हरियाणा समस्त भारत में पहला ऐसा राज्य बन गया हैं, जहां दवा निर्माण करने वाली फैक्ट्री को ऑनलाइन लाइसेंस जारी किया जाएगा।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री अनिल विज ने बताया कि ऑनलाइन लाइसेंस के लिए आवेदन करने की प्र्ि या बहुत ही सरल है। आवेदक को अपनी दवा बि´ी तथा निर्माण/उत्पादन लाइसेंस हेतू आवेदन statedrugs.gov.in पर आवेदन करना होगा। दवा बि´ी के लाइसेंस ऑनलाइन जारी करने वाले हरियाणा के अतिरिक्त तीन अन्य राज्य गोआ, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर है जबकि दवा निर्माण, रक्त केन्द्र इत्यादि के लाइसेंस ऑनलाइन जारी करने वाला हरियाणा प्रथम राज्य है।

विज ने बताया कि गत दिनों उनके द्वारा हह्ष्स्स पोर्टल को अंबाला में लांच किया गया था। हरियाणा खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग एवं केन्द्रीय मानक नियंत्रण संगठन, भारत सरकार के सतत प्रयासों से ऐसा होना संभव हुआ है।

उन्होंने बताया कि शीघ्र ही निर्माण लाइसेंस के अतिरिक्त टेंडर एवं निर्यात हेतु आवश्यक प्रमाण पत्र, जैसा कि बि´ी प्रमाण पत्र, नॉन-कन्विक्शन प्रमाण पत्र, मैन्युफै• रिंग एवं मार्किट स्टैडिंग प्रमाण पत्र, फार्मास्युटिकल उत्पाद प्रमाण पत्र इत्यादि का ऑनलाइन आवेदन किया जाएगा। इस ऑनलाईन प्र्ि या से एक तरफ भारी भरकम फाइलों को तैयार करने हेतू कागजों एवं समय की बचत होगी और भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगेगा।

विज ने दवा निर्माताओं से आह्वान करते हुए कहा कि हरियाणा अपनी निर्माण इकाइयों को स्थापित करें और मौजूदा निर्माण ऑनलाईन प्र्ि या के तहत आवेदन कर इस प्र्ि या को बढावा देने का काम करें।

सलाहकार संपादक :	डा. चंद्र त्रिखा
सह संपादक :	मनोज प्रभाकर
संपादकीय टीम :	संगीता शर्मा, सुरेंद्र मलिक
संपादन सहायक :	सुरेंद्र बांसल
चित्रांकन एवं डिज़ाइन :	गुरप्रीत सिंह
डिजिटल सपोर्ट :	विकास डांगी

मेडिकल कालेजों के निर्माण कार्य में तेजी

प्रदेश के लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए राज्य सरकार ने 2025 तक प्रत्येक जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का निर्णय लिया है।

मुख्य सचिव संजीव कौशल ने कहा कि राज्य में स्थापित होने वाले सरकारी मेडिकल कॉलेजों के लिए उपकरणों की खरीद को अंतिम रूप देने के संबंध में चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान विभाग के लिए सचिवों की कमेटी गठित की गई है।

चार मेडिकल कॉलेज नामतः नारनौल के कोरियावास, जींद, करनाल और भिवानी में स्थापित किये जा रहे हैं का निर्माण कार्य एक वर्ष के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। नारनौल के कोरियावास में स्थापित किए जा रहे मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य दिसंबर तक पूरा कर लिया जाएगा जबकि जींद, करनाल के मेडिकल कालेज का निर्माण कार्य 9 माह में और भिवानी मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य सितंबर 2023 के तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल भी 2025 तक प्रत्येक जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के लक्ष्य की प्राप्ति तय समय पर पुर्ण करने लगातार इसकी समीक्षा करते हैं।

मुख्य सचिव ने चिकित्सा उपकरणों की खरीद, स्थापित करने व उनके रखरखाव के कार्य को केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उप' मों की एजेंसियों से करवाने के निर्देश दिये। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध ढंग से कार्य करने पूरा करने व राज्य भर के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में भविष्य में उपकरण प्रबंधन, सहायता और क्षमता निर्माण के लिए एक नालेज पार्टनर के रूप में स्वर्ण जयंती हरियाणा वित्तीय प्रबंधन संस्थान के साथ सांझेदारी करने के भी निर्देश दिये।

बैठक में नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह, विकास एवं पंचायत विभाग के अतिरिक्त मुख्यसचिव अमित झा, वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, टी वी एस एन प्रसाद, लोक निर्माण (बी एंड आर)विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, अनुराग रस्तोगी, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव, जी अनुपमा और जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, ए के सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गृह मंत्रालय का कहना है कि अपराधों पर रोक लगाने के लिए सभी नागरिक ट्विटर हैंडल-साइबर दोस्त का लाभ उठाएं। अभिभावकों को चाहिए कि वे साइबर दोस्त की जानकारी अपने बच्चों के साथ अवश्य साझा करें।

केबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने निकाय चुनाव परिणाम पर कहा कि यह जीत मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कुशल नेतृत्व और उनकी दूरदर्शी सोच के अनुरूप निरंतर किए जा रहे जन कल्याणकारी कार्यों पर भरोसे की जीत है।

प्रदेश के 52 खिलाड़ियों को भीम अवार्ड

भारत को दुनिया का सिरमौर बनाने में हरियाणा के खिलाड़ियों का अहम योगदानः राज्यपाल

भारत को दुनिया का सिरमौर बनाने में हरियाणा के खिलाड़ियों का अहम योगदान है। सरकार की नई खेल नीति युवाओं के लिए बड़ी कारगर सिद्ध हुई है। इसमें युवाओं को नकद पुरस्कार के साथ साथ नौकरियां भी प्रदान की जा रही हैं ।

पंचकूला के इन्द्रधनुष ऑडिटोरियम में अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस पर आयोजित समारोह में खिलाड़ियों को राज्य के सर्वश्रेष्ठ भीम अवार्ड से सम्मानित किया गया। राज्यपाल बंडारू दतात्रेय ने प्रदेश के 52 खिलाड़ियों को भीम अवार्ड, 5 लाख रुपए की नकद राशि, ब्लेजर और अलंकरण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इनमें 19 विशेष पैरा खिलाड़ी भी शामिल हैं।

राज्यपाल ने कहा कि ओलंपिक, राष्ट्रमंडल जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेलों में हरियाणा की रैंकिंग देखने योग्य होती है। हरियाणा को खेलों का पर्याय समझा जाने लगा है। जहां भी खेलों की चर्चा होती है तो सबसे ऊपर हरियाणा का नाम आता है।

सरकार की पदक लाओ पद पाओ नीति के सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं । इस नीति के तहत अब तक पदक लाने वाले 190 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं । इसके अलावा खिलाड़ियों की राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की पुरस्कार राशि में भी बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने कहा कि अब तक सरकार ने लगभग 12 हजार खिलाड़ियों को 425 करोड़ रुपए की राशि पुरस्कार के रूप में प्रदान करने का कार्य किया है। खिलाड़ियों को जमीनी स्तर से तैयार करने के लिए 1100 खेल नर्सरियां तथा 1100 गांवों में योग एवं व्यायामशालाएं खोली गई हैं ।

राज्यपाल ने कहा कि स्कूली विद्यार्थियों को पर्वतारोहण की चढाई करने पर 5 लाख रुपए की राशि व ग्रेड सी का प्रमाण पत्र पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया जाता है। इसके अलावा खिलाड़ियों को 700 से 1000 रुपए तक की मासिक छात्रवृति देने का भी प्रावधान किया है।

अर्जुन अवार्ड व भीम अवार्ड से सम्मानित होना गौरव की बात

खेल एवं युवा मामले मंत्री सरदार संदीप सिंह ने भीम अवार्डियों को अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस की बधाई देते हुए कहा कि खिलाड़ियों को मेडल जीतते समय जो खुशी होती है उससे ज्यादा खुशी अवार्ड लेते समय होती है। अर्जुन अवार्ड व भीम अवार्ड से सम्मानित होना गौरव की बात है। इन अवार्ड की मेहनत में अभिभावक व कोच की भी अहम भूमिक होती है। उन्होंने कहा कि भीम अवार्ड को पारदर्शी ढंग से ऑनलाईन दर्शाने वाला हरियाणा पहला राज्य है जिसमें सभी लोगों के समाने खिलाड़ियों की उपलब्धियों को रखकर भीम अवार्डियों की सूची को अंतिम रूप दिया जाता है।

खेल मंत्री ने कहा कि सरकार ने खिलाड़ियों की डाईट बढाकर 400 रुपए करने का कार्य किया है और 2020 से अर्जुन अवार्ड, भीम अवार्ड, खेल रत्न, तेंजिंग नेशनल अवार्ड वालों को 20 हजार रुपए की राशि भी प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेलो इंडिया यूथ गेम की तर्ज पर मण्डल, जिला, उपमण्डल व खण्ड स्तर पर खेलों का आयोजन करवाया जाएगा। खेलों में घायल होने वाले युवाओं के स्वास्थ्य सुधार के लिए पंचकूला में नार्थ इंडिया का पहला स्पोर्ट्स रिहेबिलेशन सैंटर बनकर तैयार हो चुका है। इसके अलावा चार अन्य स्थानों पर भी ऐसे सेंटर खोले जाएगें। उन्होंने कहा कि नेशनल स्तर के खिलाड़ियों को खेल नर्सरियां दी जाएगीं ताकि वे अच्छे खिलाड़ी तैयार कर सके। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स में 12 रिकॉर्ड बने, उनमें 11 हरियाणा के खिलाड़ियों के नाम हैं ।

हरियाणा के युवा रच रहे इतिहास-संजीव कौशल

मुख्य सचिव संजीव कौशल ने कहा कि हरियाणा के युवा खेल क्षेत्र में नया इतिहास रच रहे हैं। हरियाणा सरकार भी खेलों को बढ़ावा देने के लिए कारगर कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 250 करोड़ रुपए की लागत से विश्व स्तर का खेलों का इन्फ्रास्ट्र• र तैयार किया गया है। युवाओं को बेहतर सहुलियतें प्रदान करने में हरियाणा अग्रणी राज्य है। इसके साथ ही खिलाड़ियों को ग्रुप डी की नौकरियों में 10 प्रतिशत आरक्षण भी दिया जा रहा है।

तैराकी, एथलेटिक्स और जिम्नास्टिक्स को बढ़ावा देगी सरकार

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अधिकारियों को हरियाणा खेल अकादमी की स्थापना के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए ताकि देशभर से आने वाले खिलाड़ियों को यहां बेहतरीन प्रशिक्षण दिया जा सके। इसके अतिरिक्त, उन्होंने कहा कि हरियाणा में बनाया जा रहा खेल पुनर्वास केंद्र देश में यह उदाहरण स्थापित करे कि हरियाणा न केवल अपने खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ खेल सुविधाएं प्रदान करता है बल्कि चोटिल होने के कठिन दौर में उनका सहयोग भी करता है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को हरियाणा खेल पुनर्वास केंद्र के सुचारू संचालन के लिए प्रबंधन को तत्काल आउटसोर्स करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने ये निर्देश खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2021 की समीक्षा बैठक के दौरान दिए। बैठक में खेल एवं युवा मामले राज्य मंत्री सरदार संदीप सिंह भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को उन कंपनियों के साथ सहयोग करने के निर्देश दिये जो खेलों को बढ़ावा देने के लिए सीएसआर फंड उपलब्ध कराने में रुचि रखती हैं। व्यापक चर्चा के दौरान यह बात सामने आई कि यद्यपि खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2021 में हरियाणा हर क्षेत्र में चैंपियन रहा लेकिन तैराकी, एथलेटिक्स और जिम्नास्टिक के लिए उपलब्ध बुनियादी ढांचे के विशेष उन्नयन की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि राज्य में अंतराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने वाले ऑल-वेदर स्विमिंग पूलज़ का निर्माण किया जाए ताकि खिलाड़ी साल भर अभ्यास कर सकें। उन्होंने कहा कि इसी तरह, एथलीट्स और जिम्नास्ट्स के लिए उपयुक्त सुविधाएं सुनिश्चित की जाए ताकि राज्य में इन खेलों को भी बढ़ावा दिया जा सके। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को खेलो इंडिया यूथ गेम्स की तर्ज पर हर वर्ष राज्य स्तरीय खेलों का आयोजन करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ उन्हें खेलो इंडिया यूथ गेम्स एवं अन्य अंतराष्ट्रीय खेल आयोजनों के लिए भी तैयार करेंगे।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि राज्य ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2021 की सफलतापूर्वक मेजबानी की है और इन खेलों में भाग लेने वाले सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की टीमों ने उपलब्ध करवाई गई विशेष रूप से फिजियोथेरेपिस्ट, खिलाड़ियों की आवश्यकतानुसार आहार, आवास एवं परिवहन सुविधाओं की व्यापक रूप से सराहना की है। उन्हें यह भी बताया गया कि केंद्र शासित प्रदेशों सहित 36 राज्यों के सभी खिलाड़ियों ने राज्य द्वारा खेलों के लिए की गई बेहतरीन व्यवस्थाओं और उपलब्ध करवाई गई अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं की भी सराहना की है। इसके अतिरिक्त, खेल आयोजनों के बाद शाम को आयोजित सांस्कृतिक कार्य में को भी खिलाड़ियों और दर्शकों ने खूब सराहा है।

इस बीच, सरदार संदीप सिंह ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि नूंह जिले के युवाओं में खेलकूद की अपार संभावनाएं हैं, जिन्हें खेल गतिविधियों में शामिल करके आगे बढ़ाया जा सकता है। इसके उपरांत, श्री मनोहर लाल ने संबंधित अधिकारियों को नूंह जिले में एथलेटिक ट्रैक और व्यायामशाला स्थापित करने के अवसरों का पता लगाने को कहा ताकि इस क्षेत्र के युवाओं की छिपी क्षमता का दोहन किया जा सके।

मुख्य सचिव संजीव कौशल ने ड्रोन पोलसी के तहत मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने के लिए महानिदेशक सीआईडी की अध्यक्षता में चार सदस्यीय कमेटी गठित करने के निर्देश दिये हैं ताकि ड्रोन का अनाधिकृत उपयोग न हो।

कृषि मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल का लक्ष्य छोटे से छोटे किसान को उसकी उपज का लाभ प्राप्त कराना है, चाहे उसके लिए उसकी उपज में कोई भी वैल्यू-एडिशन किया जाए, परंतु किसान का इनपुट खर्च भी कम होना चाहिए।

योग प्राचीन पद्धति का अमूल्य उपहार

योग मानवता के लिए भारतीय प्राचीन पद्धति का अमूल्य उपहार है। योग से पूरी दुनिया में शांति, सद्भाव, सम्भाव व भाईचारे की भावना को प्रगाढ़ किया जा सकता है। योग दिवस पर राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि योग मानव कल्याण का माध्यम है। योग जीवन जीने की कला है, इससे जीवन में जागृति आती है। योग दिवस पर उन्होंने योग प्रोटोकॉल के तहत 45 मिनट तक योग किया।

योग तन और मन की साधना के लिए जरूरीः विज

आयुष मंत्री अनिल विज ने कहा कि हरियाणा सरकार योग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। प्रदेश में योग आयोग का गठन किया गया। उन्होंने कहा कि योग तन और मन की साधना के लिए जरूरी है। योग को लोग अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनालें। योग हमारे देश की बहुत प्राचीन विद्या है और ऋषि-मुनियों ने काफी खोजबीन कर एक-एक योग का निर्धारण किया है। शरीर में अनेक प्रकार की व्याधियां उत्पन्न हो जाती है, जो अनेकों बीमारियों का कारण बनती हैं। जब हम योग करते हैं, तो उससे अनेकों बीमारियों से बचाव भी होता है और बीमारी होने की स्थिति में उसका उपचार भी होता है। योग का अर्थ है कि हम अपने तन और मन को साधें और इनको नियंत्रण में करें। विज ने योगा प्रोटोकॉल के तहत 40 मिनट तक हजारों योग साधकों के बीच सभी योगासन किए।

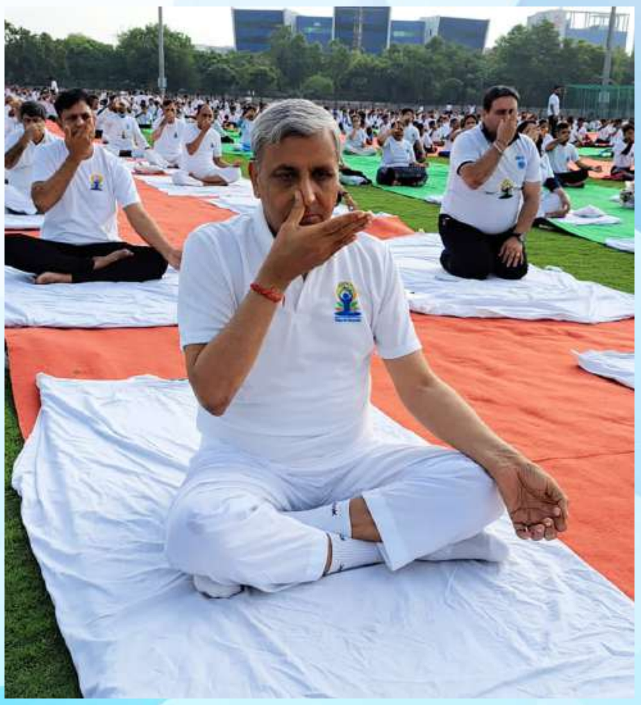

पीएचसी में स्थापित होंगी आयुष विंग

स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजीव अरोड़ा ने कहा कि प्रदेश के 419 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आयुष उपचार की सुविधा प्रदान करने के लिए आयुष सैल स्थापित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके अलावा कई जिला मुख्यालय एवं उपमंडल स्तर के अस्पतालों में हैल्थ एंड वैलनेस केंद्र भी स्थापित किए जा रहे हैं। कुरूक्षेत्र में श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना की जा रही है। इसके अलावा बाबा खेतानाथ राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल, नारनौल का निर्माण किया जा रहा है। आयुष विभाग के महानिदेशक डॉ. साकेत कुमार ने कहा कि नागरिक अस्पताल की आयुष विंग में पंचकर्मा विद्या का एक केंद्र भी खोला गया है जिसका लोगों को अवश्य लाभ उठाना चाहिए। मुख्यमंत्री द्वारा इस अवसर पर एक साथ 337 हैल्थ एंड वैलनेस सेंटर का लोकार्पण किया गया।

मुख्य सचिव संजीव कौशल के मुताबिक दिल्ली -अमृतसर-कटरा एक्सप्रेस-वे के निर्माण के संबंध में हरियाणा में भारतीय राजमार्गों के निर्माण में थर्मल प्लांट से पॉन्ड एश की आपूर्ति की समस्या का हल जल्द ही निकलेगा।

विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने विधायक मोहम्मद इलियास को वर्ष 2022-23 की शेष अवधि के लिए शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की सबजेक्ट कमेटी का सदस्य मनोनीत किया है।

योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं: सीएम

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि योग से मनुष्य का शरीर पूर्ण रूप से स्वस्थ रहता है और वह दीर्घायु होता है। मनुष्य को अगर स्वस्थ रहना है तो जीवन मे योग को आवश्यक रूप से अपनाना होगा। बेहतर होगा योग दिवस को निरोग दिवस के रूप में मनाएं और योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। योग से शरीर स्वस्थ ही नहीं रहता बल्कि कई बीमारियों से निजात भी पाता है। उन्होंने स्वयं लगातार दो घंटे तक योग क्रियाएं कीं तथा लोगों को योग के प्रति प्रोत्साहित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पांच हजार साल पहले ऋषि-मुनियों ने योग साधना को अपनाया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में योग को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता प्राप्त करने का प्रस्ताव रखा था, जिसका 177 देशों ने समर्थन किया। अब विश्व के 200 से अधिक देशों ने योग को मान्यता दी है। मुख्यमंत्री ने योग गुरू बाबा राम देव का भी आभार जताया जिन्होंने योग के प्रति लोगों को जागरूक किया। मनोहर लाल ने युवाओं से आह्वान किया कि वे किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहें। नशे का चलन समाज के लिए घातक ही नहीं बल्कि नासूर है।

सीएम ने कहा कि योग को बढ़ावा देने के लिए स्कूलों में पहली से 12वीं तक के पाठ्यक्रम में योग को शामिल किया जाएगा, ताकि विद्यार्थी इसे आसानी से आत्मसात कर सकें।

झज्जर के गांव देवरखाना में स्नातकोत्तर योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं अनुसंधान संस्थान स्थापित किया जा रहा है। इसके अलावा पंचकूला में आयुष का एम्स भी तैयार किया जा रहा है, जिसका भवन शीघ्र बनकर तैयार हो जाएगा।

मुख्य सचिव संजीव कौशल ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सभी नागरिक अस्पतालों में सितंबर माह तक फायर सेफ्टी मानदंड अमल में लाए जाएं। इस कार्य में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्य सचिव संजीव कौशल ने कहा कि मार्केट कमेटी के भवनों में फायर सेफ्टी उपकरण सहित अन्य आवश्यक प्रबंध आगामी 30 नवंबर तक पूरे किए जाएं। यार्ड या शेड में भी आग से बचाव के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए जाएं।

पौधारोपण: ताकि हरा भरा हो हरियाणा

मानसून के आगमन के साथ ही हरियाणा को हरा भरा एवं प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए वन विभाग सक्रिय हो गया है। विभाग ने प्रदेश भर में इसी वर्ष 2 करोड़ पौधे विभिन्न योजनाओं के तहत लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसका रोडमैप तैयार कर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। जिला, उपमंडल व खंड स्तर पर वन विभाग की नर्सरियों से विभिन्न किस्म के पौधे वितरित किये जा रहे हैं। आरडीएफ स्कीम के तहत पौधारोपण की योजना है। इसमें छायादार, फलदार व औषधीय पौधे प्रमुख रूप से लगाये जायेंगे। विभाग अरावली पहाड़ियों पर ड्रोन की सहायता से स्थानीय प्रजाति के बीजों की सीट बाल बना कर उनका छिड़काव भी करेगा।

ग्रामीण क्षेत्र हो व शहरी क्षेत्र में पपड़ी, सफेदा, अर्जुन, अमरूद, गुलमोहर, इमली, बगैन, पापुलर के पौधे प्रमुख रूप से लगाये जायेंगे। औषधीय पौधे लगाने की भी विभाग की योजना है। विभाग खास तौर पर नीम के अलावा आवला बहेड़ा, अमलताश के पौधे प्रमुख रूप से अंबाला, युमनानगर व मोरनी में लगायेगा। स्कूलों में पौधारोपण किया जायेगा व स्कूल के बच्चों को निःशुल्क पौधे वितरित किये जायेंगे। शिवालिक एवं अरावली की पहाड़ियों को और अधिक हरा भरा बनाया जायेगा। वहां स्थानीय किस्म के पौधों को प्राथमिकता दी जायेगी। ग्रामीण क्षेत्र में पंचायतों को निःशुल्क पौधे दिये जाएंगे। विभाग के कर्मचारी गांव में जाकर पौधे वितरित करेंगे। गांव की शामलात जमीन पर भी पौधारोपण करने की योजना है।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक जगदीश चंद्र ने बताया की राज्य सरकार ने विभिन्न योजनाओं के तहत 22 जिलों में 16 लाख 27 हजार बड़े पौधे व एक करोड़ 51 लाख छोटे पौधे लगायेगा। विभाग किसानों के खेत में 53 लाख 46 हजार पौधे लगायेगा। ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में रोड़ व अन्य जगहों के सौंदर्यीकरण को लेकर आरकेएम स्कीम के तहत भी पौधारोपण किया जायेगा। कृषि एवं वानिकी के तहत फार्म व फार्म फोरस्ट्री में वी.डब्लू.एल स्कीम के तहत के तहत भी पौधारोपण किया जायेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश भर में स्टेट कैंपा के तहत डाइवर्ट भूमि पर मॉडलवाइज पौधारोपण किया जायेगा। सरकारी स्कूलों में पौधगिरी के तहत 19 लाख पौधे लगाये जायेंगे। यही नहीं विभाग 29 लाख 75 हजार पौधे फ्री में वितरित करेगा। विभाग की तरफ से 53 लाख से ज्यादा पौधे क्लोनल के लगाये जायेंगे।

त्रिवेणी बाबा का लक्ष्य एक करोड़ पौधारोपण

हरियाणा में एक अनूठा जन आंदोलन चल रहा है। यह आंदोलन त्रिवेणी बाबा नाम से मशहूर सत्यवान की अगुवाई में चल रहा है। वे त्रिवेणी लगाते-लगाते सत्यवान से त्रिवेणी बाबा के नाम से विख्यात हो चुके हैं। त्रिवेणी बाबा की इस मुहिम का प्रभाव न केवल हरियाणा बल्कि पूरे उत्तरी भारत में दिख रहा है। आम लोगों के सहयोग से बाबा 50 हजार त्रिवेणी व 40 लाख के करीब अन्य पौधे लगवा चुके हैं। उनका लक्ष्य एक करोड़ पौधे लगाने का है।

सत्यवान का त्रिवेणी लगाने का जुनून कुछ इस तरह का है कि पिछले 26 वर्षों में ऐसा कोई दिन नहीं होगा जिस दिन उन्होंने एक पौधा न लगाया हो। तोशाम के गांव सरल के श्मशान घाट में वर्ष 1994 से त्रिवेणी रोपण महा-अभियान शुरू हुआ था। उन्होंने 30 नवम्बर 2020 को गुरू नानक देव जी के प्रकाश पर्व को समर्पित 551 नानक त्रिवेणियां लगाने की शुरूआत भी की, जिसमें अब तक 100 से अधिक त्रिवेणियां लगायी जा चुकी हैं।

फल उत्पादन को बढ़ावा देने की तैयारी

हरियाणा में विभिन्न प्रकार के फलों के उत्पादन को बढ़ावा देने की योजना है। इसके लिए बागवानी विभाग की ओर से एक विशेष टीम का गठन किया जाएगा जो युवाओं को ड्रेगन फल, खजूर व मशरूम की खेती के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ प्रशिक्षण दिलवाने का काम भी करेगी।

बागवानी विकास एजेंसी के तहत एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) की जनरल बॉडी मीटिंग में इस कवायद पर चर्चा हुई। बैठक में कृषि मंत्री जेपी दलाल के अलावा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुमिता मिश्रा भी उपस्थित थी।

निर्णय लिया गया कि इस वर्ष में मशरूम की उपज को बढाने के लिए ज्यादा से ज्यादा परियोजनाओं पर काम किया जाए। जिन जिलों में मशरूम नहीं होता है उनमें कलस्टर विकास के तहत लोगों को प्रशिक्षण देकर मशरूम की खेती को बढावा देने का काम किया जाए इससे न केवल लोगों को मशरूम आसानी से उपलब्ध होगा बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगें।

एमआईडीएच द्वारा नर्सरी, टीशू कल्चर लैब, फलों के क्षेत्र में विस्तार, सब्जियां, फूल, मसालें, एरोमैटिक पौधे, मशरूम परियोजनाएं, जल स्त्रोतों, उत्कृष्टता केन्द्र, मधुमक्खी पालन, मानव संसाधन, पोस्ट हारवेस्टिंग प्रबंधन, विपणन ढांचागत, सोलर फेसिंग तथा मिशन प्रबंधन इत्यादि परियोजनाओं पर वर्ष 2021-22 तक 31714.37 लाख रूपए की राशि खर्च की गई है।

लगभग 21453 हैक्टेयर क्षेत्र को फलों की फसलों के तहत कवर किया गया है जबकि 37297.82 हैक्टेयर क्षेत्र को सब्जियों की फसलों के अंतर्गत कवर किया गया। किसानों को फलों के पौधों को जीवित रखने के लिए सिंचाई हेतू 4340 पानी के टेंकों का निर्माण किसानों के खेतों में किया गया हैं। इसी प्रकार, 1146.07 हैक्टेयर क्षेत्र को प्रोटैक्टेट स्ट्रक्चर और 5469.14 हैक्टेयर क्षेत्र को मलचिंग/प्लास्टिक टनल/डब्ल्यूआईटी के तहत कवर किया गया है। इस योजना के शुरु होने के बाद से 6 उत्कृष्टता सेंटर को स्थापित किया जा चुका हैं।

वर्ष 2013-14 से अब तक एनएचएम के अंतर्गत 1.80 लाख किसानों को लाभ प्रदान किया गया हैं। बैठक में बताया गया कि एमआईडीएच ने वर्ष 2005-06 से अब तक लगभग 1516 करोड रुपए की राशि किसानों के उत्थान में खर्च की है। एमआईडीएच ने अब तक 490 परियोजनाओं को पूरा किया है जिन पर कुल खर्च 62811.11 लाख रुपए व्यय आया है।

गौरतलब है कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय द्वारा हल्दी, मेथी, प्याज, पालक, भिंडी का बीज, घिया या लोकी, बैंगन का नॉन-हाइब्रिड बीज तैयार किए गए हैं जबकि भिंडी व घिया लोकी का हाइब्रिड बीज तैयार किया गया है।

-संवाद ब्यूरो

कपास व्यापारी एकमुश्त टैक्स अदा कर ले सकेंगे लाईसेंस

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश के व्यापारियों को एक और नायाब तोहफा प्रदान किया है। अब कपास पिराई का कार्य करने वाले व्यापारी प्रदेश में एकमुश्त टैक्स अदा कर लाइसेंस ले सकेंगे। इससे प्रदेश में व्यापार बढ़ेगा और सरकार को राजस्व भी मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री 'संत कबीर कुटीर' में भारतीय व्यापार मण्डल एवं हरियाणा ऑयल मिल्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे पी दलाल, मार्केटिंग बोर्ड के मुख्य प्रशासक टी एल सत्यप्रकाश व अतिरिक्त प्रधान सचिव आशिमा बराड़ भी इस मौके पर मौजूद रहे।

निर्णय लिया गया कि अब कपास पिराई करने वाले व्यापारी प्रति यूनिट एक्पेलर पर 42000 रुपए का एकमुश्त टैक्स अदा करके लाइसेंस ले सकेंगे और प्रत्येक वित वर्ष में यह टैक्स देंगे। यह निर्णय तीन साल के लिए लागू होगा। इसके बाद टैक्स की दोबारा समीक्षा की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाहर से लाकर पिराई करने वाली कपास युनिट को एल-1 फार्म भरना अनिवार्य होता है। अब इस निर्णय से एल-1 फार्म नहीं भरना पड़ेगा। इस प्रकार बिनौला ऑयल मिल्स की प्रोसेसिंग फीस के रूप में प्रति यूनिट सरकार को 42000 रुपए का राजस्व मिलेगा। प्रदेश में लगभग 453 'शिंग युनिट व 1520 एक्पेलर यूनिट हैं।

इस निर्णय पर भारतीय व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों ने खुशी का इजहार किया और मुख्यमंत्री मनोहर लाल व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल का आभार व्यक्त किया।

प्रोत्साहन राशि

हरियाणा सरकार ने देशी कपास के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए एक प्रोत्साहन योजना शुरू की है, जिसके तहत प्रति एकड़ 3,000 रुपए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के मुताबिक प्रोत्साहन राशि का लाभ लेने वाले किसान को 'मेरी फसल मेरी ब्यौरा' पोर्टल पर पंजीकरण करवाना होगा। देशी कपास की बिजाई करने से जहां किस्मों की विविधता को बढ़ावा मिलेगा, वहीं कीटों से नुकसान होने की आशंका भी कम हो जाती है। किसान विभाग की इस योजना के बारे में अधिक जानकारी टोल-फ्री नंबर 1800-180-2117 से भी ले सकते हैं।

योग दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रोहतक स्थित भाजपा कार्यालय में डॉ. सोनू फौगाट द्वारा लिखी गई पुस्तक 'अष्टांग योग' का विमोचन किया।

जिला अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि स्थानीय निकायों में किए जा रहे विकास कार्यों की गुणनात्मक मॉनिटरिंग तथा हर माह सभी कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जाए, ताकि आवंटित निधि का उपयुक्त उपयोग सुनिश्चित हो सके।

अंत्योदय योजना से मिल रहे रोजगार के अवसर

मनोज प्रभाकर

मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बेहद कारगर साबित हो रही है। अंत्योदय मेलों के माध्यम से प्रदेश में गरीब परिवारों को उनकी इच्छा व रुचि के अनुसार सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इससे ऐसे परिवारों को खुद का व्यवसाय शुरु करने में न केवल आर्थिक मदद मिल रही है बल्कि आत्म सम्मान से जीने का हौसला भी मिल रहा है। योजना का उद्देश्य एक लाख 80 हजार रुपए की वार्षिक आय से कम वाले परिवारों को आत्मनिर्भर बनाना है।

उल्लेखनीय यह है कि योजनाओं का लाभ लेकर लाभार्थी दूसरों को भी रोजगार उपलब्ध कराने का कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि आर्थिक रुप से कमजोर परिवार परिवार उत्थान मेलों में आकर योजनाओं का लाभ उठाएं और अपने परिवार की उन्नति करते हुए दूसरों का भी सहारा बनें।

दूसरों को भी रोजगार देने में बनी सहायकः सिरसा में बेगू रोड स्थित परमार्थ कॉलोनी में सिलाई की दुकान चला रही सविता ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह सिलाई कढ़ाई का काम जानती थी, लेकिन पैसों की कमी के चलते

अपना व्यवसाय शुरु नहीं कर पा रही थी। दुकानदारों के माध्यम से सिलाई के कार्य से होने वाली आय से परिवार का गुजर बसर में मुश्किल था। वह अपने बच्चों को शिक्षित करने के लिए भी सक्षम नहीं थी। मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना ने उनकी किस्मत ही बदल दी। मेले के माध्यम से उन्हें विधवा ऋण योजना के तहत सिलाई कार्य के लिए एक लाख रुपए का ऋण मिला, जिससे उसने परमार्थ कॉलोनी में दुकान कर अपना सिलाई व कपड़ा बेचने का व्यवसाय शुरु कर दिया। व्यवसाय चल निकला। इससे मेरा हौसला बढ़ता चला गया। मैंने अपने साथ-साथ दो और बहनों को भी जोड़ा। आज वह न केवल अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा के लिए अच्छे स्कूल भेज रही है बल्कि अपने परिवार का पालन-पोषण भी बढ़िया कर पा रही है।

योजना से मिली उन्नति की राह : दिव्यांग राम निवास ने बताया कि उन्हें मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के बारे में जानकारी मिली तो वे संबंधित विभाग के अधिकारियों से मिले। अधिकारियों द्वारा उसे फोन के माध्यम से अंत्योदय मेले में बुलाया गया। मेले में हेल्पडेस्क के माध्यम से उनका आवेदन भरवाया गया।

हरियाणा पिछड़े वर्ग एवं आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों के लिए लघु व्यवसाय योजना / दिव्यांग स्वावलंबन योजना के माध्यम से उन्हें 50 हजार रुपए का ऋण उपलब्ध करवाया गया। ऋण मिलने के बाद उन्होंने मिट्टी के बर्तन बेचने का कार्य शुरू किया। आज वो अपने कार्य से संतुष्ट है और अपने परिवार का पालन पोषण बेहतर ढंग से कर पा रहा है।

युवाओं का कौशल निखारने की जरूरतः सीएम

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि वरिष्ठ माध्यमिक स्तर की शिक्षा के बाद विद्यार्थियों को हुनरमंद बनाना होगा। इसके लिए जिस प्रकार के रोजगारोन्मुखी कोर्स श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में चलाए जा रहे हैं, वैसे ही कोर्स अन्य जिलों में चलाने के लिए विश्वविद्यालय अपने एक्सटेंशन सेंटर खोले। इससे अधिक से अधिक विद्यार्थियों को फायदा होगा।

रोजमर्रा के जीवन में आवश्यक कौशल जैसे -इलैक्ट्रिशियन, पलंबर, रेफ्रिजिरेटर, वॉशिंग मशीन, एसी आदि रिपेयर करने वाले कोर्स करवाने होंगे। उन्होंने कहा कि ये अल्पाविध के कोर्स करके युवा अपनी आजीविका अच्छे से चला सकते हैं तथा परिवार की आय बढ़ा सकते हैं। प्रदेश में जिन अंत्योदय मेलों का आयोजन किया जा रहा है उनमें अब कौशल विश्वविद्यालय की ओर से प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। वे आवेदकों को विभिन्न् रोजगारोन्मुखी कोर्स के बारे में जानकारी देंगे तथा उन्हें प्रोत्साहित करेंगे। उनमें से वे अपनी रूचि का कोर्स चुनकर नौकरी प्राप्त करने या स्वरोजगार शुरू करने योग्य बन सकते हैं।

कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति राज नेहरू ने बताया कि कौशल विकास संबंधित कोर्स शुरू करने तथा इनसे संबंधित अन्य कार्यों पर अभी तक 267.64 करोड़ रुपए की राशि खर्च की जा चुकी है। युनिवर्सिटी परिसर में ओलंपिक स्टैंडर्ड का स्पोटर्स कॉम्पलैक्स बनाया जा रहा है जो रेजिडेंशियल होगा। इसमें स्टेडियम, जिम्नेजियम, स्वीमिंग पूल आदि की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके अलावा, ऑडिटोरियम व कन्वेंशन सेंटर का निर्माण किया जा रहा है जिसमें लगभग 1500 व्यक्ति यों के बैठने की क्षमता होगी। उन्होंने बताया कि वर्ष-2022-23 में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित 34 कोर्सिज में 983 विद्यार्थियों को दाखिला मिला है, जिसमें डिप्लोमा, डिग्री और स्नातकोत्तर कोर्स शामिल हैं।

दसवीं व बारहवीं की परीक्षाओं में अव्वल रही बेटियां

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की दसवीं व बारहवीं की परीक्षाओं में लड़कियों ने बाजी मारी है। यह महिला सशक्तिकरण का बड़ा उदाहरण है। परीक्षा में सफल होने वाले तमाम विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की जाती है। हरियाणा सरकार द्वारा छात्राओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है, वे हर क्षेत्र में प्रगति कर रही हैं।

मनोहर लाल, मुख्यमंत्री, हरियाणा

संगीता शर्मा

छोरियां न केवल खेलों में धाक जमा रही हैं, शिक्षा के क्षेत्र में भी अपनी काबिलियत का लोहा मनवा रही हैं। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की मार्च-2022 की दसवीं व बारहवीं कक्षा के परिणाम में लड़कियों ने बाजी मारी है। यही कारण है लोगों ने बेटियों के प्रति अपनी मानसिकता को बदलकर उनको हर क्षेत्र में बढ़ावा देना शुरू कर दिया है। हरियाणा सरकार भी लड़कियों की शिक्षा पर विशेष जोर रही है। उनके लिए अनेक छात्रवृत्ति योजनाएं चलाई गई हैं। उच्च शिक्षा जारी रखने के लिए सहूलियतों में इज़ाफा किया गया है।

बारहवीं में टॉप तीन में लड़कियों ने बाजी मारी है। जबकि दसवीं कक्षा में पूरे प्रदेश में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहने वाले नौ विद्यार्थियों में से भी आठ बेटियां हैं। बेटियां लगातार हर क्षेत्र में देश और प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं। बारहवीं की परीक्षा में लड़कियों ने बाजी मारी है। 90.51 फीसदी छात्राओं ने परीक्षा में कामयाबी हासिल की। वहीं 83.96 फीसदी छात्र ही उत्तीर्ण रहे हैं। छात्रों के मुकाबले 06.55 फीसदी अधिक छात्राओं ने सफलता हासिल की है।

परीक्षा का परिणाम

सीनियर सेकेंडरी (शैक्षिक) नियमित परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणाम 87.08 फीसदी रहा है तथा स्वयंपाठी परीक्षार्थियों का परिणाम 73.28 फीसदी रहा है। सीनियर सेकेंडरी (शैक्षिक) परीक्षा में 2,45,685 परीक्षार्थी प्रविष्ठ हुए थे, जिनमें से 2,13-,949 उत्तीर्ण हुए एवं 23,604 परीक्षार्थियों की कंपार्टमेंट आयी है। इस परीक्षा में 1,17,228 प्रविष्ठ छात्राओं में से 1,06,102 पास हुई तथा 8,693 की कंपार्टमेंट आयी, इनकी पास प्रतिशतता 90.51 रही, जबकि 1,28,457 छात्रों में से 1,07,847 पास हुए तथा 1,4911 की कंपार्टमेंट आयी, इनकी पास प्रतिशतता 83.96 रही। इस प्रकार छात्राओं ने छात्रों से 06.55 फीसदी ज़्यादा पास प्रतिशतता दर्ज़ कर बढ़त हासिल की है।

शहर के मुकाबले ग्रामीण कॉलेजों का प्रदर्शन बेहतर रहा है। शहर के कॉलेजों की पास प्रतिशतता 85.96 रही। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में पास प्रतिशतता 87.71 फीसदी रही। सरकारी स्कूलों की पास प्रतिशतता 85.46 और निजी स्कूलों की 89.72 रही है। चरखी दादरी जिले का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा।

बारहवीं का परिणाम

रैंक	छात्रा का नाम	प्राप्तांक	स्कूल का नाम
1	काजल	498	के.सी.एम. पब्लिक सीनियर सैकेंडरी स्कूल, निडाना, रोहतक
2	मुस्कान	496	एस.डी.कन्या. महाविद्यालय नरवाना, जीन्द
2	साक्षी	496	बाबा श्रवणनाथ सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पेहवा, कुरुक्षेत्र
3	श्रुति	495	टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नारनौद, हिसार
3	पूनम	495	बाल विद्या निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, खाम्भी, पलवल

दसवीं का परिणाम

रैंक	जिला	छात्रा	अंक
1.	भिवानी	अशिमा	499
2.	चरखी दादरी	सुनैना	497
2.	जींद	खुशी	497
2.	कैथल	म ंजू	497
3.	सोनीपत	सुहानी	496
3.	हिसार	रीना	496
3.	हिसार	लवकुश	496
3.	हिसार	हिंमाशी	496
3.	भिवानी	हिमानी	4962

क्या कहना है शिक्षकों का

बेटियों को मालूम है कि समाज व ससुराल में सम्मान तभी मिलेगा जब वे सशक्त होंगी। इसी कारण वे अपने करियर के प्रति अधिक सचेत हैं। वे अपने भविष्य के प्रति संज़ीदगी से सोचने लगी है। लड़कियां शिक्षा के क्षेत्र में लड़कों से बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं।

सुदेश राठौर, शिक्षिका, पंचकूला

परीक्षा परिणाम में छात्राओं द्वारा बेहतर प्रदर्शन के पीछे उनमें जिम्मेदारी की भावना छात्रों की अपेक्षा अधिक होना है। छात्राएं अपने घर के काम में सबकी मदद करने के साथ-साथ परीक्षा परिणामों में भी अव्वल रहती हैं, यह उनकी विशेष उपलब्धि है। छात्राएं विद्यालय में छात्रों की अपेक्षा अधिक संज़ीदा होती है।

दर्शन लाल बवेजा, शिक्षक, यमुनानगर

बेटियों के ज़्यादा अंक आने का मुख्य कारण है कि वे भी लड़कों की तरह समाज में अपनी पहचान बनाना चाहती है कि उनको कोई कमतर नहीं आंक सके। अच्छे अंक प्राप्त करके अच्छी नौकरी या पद प्राप्त कर सके। लड़के अधिकतर समय मोटर साइकिल, घूमने, दोस्तों व मोबाइल आदि के उपयोग में व्यर्थ करते हैं, इस कारण उनका ध्यान पढ़ाई पर कम होता है।

बोधराज, शिक्षक, पानीपत

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गुरुग्राम जिला के गांव बाबरा बाकीपुर के बच्चे हेयांश कुमार का माउंट एवरेस्ट बेस कैंप पर तिरंगा फहराने के लिए उसे प्रशंसा पत्र भेंट किया और भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी।

मुख्य सचिव संजीव कौशल ने कहा है कि सरकारी कार्यालयों में और अधिक पारदर्शिता लाने के लिए ई ऑफिस का नया वर्जन-7 अक्टूबर तक शुरू कर दिया जाएगा ताकि किसी भी व्यक्ति के काम में कोई विलंब नहीं हो।

नई ऊंचाइयों की ओर हरियाणवी सिनेमा

फिल्म अभिनेता यशपाल शर्मा से खास बातचीत

मनोज प्रभाकर

अच्छी किताबें जीवन में मार्गदर्शन का काम करती हैं, जीने का सलीका सिखाती हैं। इतना ही नहीं जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करना भी सिखलाती हैं। किताबों को अगर मां-बाप या गुरु की संज्ञा भी दी जाए तो कोई अतिश्योक्ति न होगी। एक फिल्म, एक अच्छी किताब की तरह होती है, जिसे दो-अढ़ाई घंटे में पढ़ लिया जाता है। इसलिए एक अच्छी फिल्म देखना, एक अच्छी किताब पढ़ने के बराबर है। किताबें खरीदकर पढ़नी चाहिए और फिल्में टिकट खरीद कर। यह कहना है बॉलीवुड व हरियाणवी सिनेमा के मशहूर अदाकार यशपाल शर्मा का।

यशपाल शर्मा कहते हैं कि हरियाणवी सिनेमा का उत्थान शुरू हो चुका है। एक दो फिल्में हिट हो गई तो फिर यह कारवां रुकने वाला नहीं है। हरियाणवी सिनेमा में जिस तरह से कार्य हो रहा है, उससे लगता है वह दिन दूर नहीं है। विदेशों तक डंका बजेगा। संभवतः जुलाई में 'हरियाणा' फिल्म तथा एक नवंबर को बहु प्रचारित फिल्म 'दादा लख्मी' रिलीज होगी। हरियाणवी फिल्म जगत को इन दो फिल्मों से बहुत आशाएं हैं।

उन्होंने कहा कि क्षेत्रिय भाषाओं में तमिल, मराठी, पंजाबी व अन्य फिल्मों ने अपना अपना मुकाम बनाया है। बहुत सारी फिल्में तो हिंदी फिल्मों को भी मात दे चुकी हैं और दे रही हैं। आने वाले दिनों में हरियाणा में भी ऐसा देखने को मिलेगा, इसकी उन्हें पूरी उम्मीद है।

कुरुक्षेत्र में आयोजित अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव हरियाणवी सिनेमा को पंख लगा गया है। आने वाले दिनों में इसके सकारात्मक परिणाम निकलेंगे। इस समारोह में हरियाणा फिल्म जगत की तमाम हस्तियों के अलावा अन्य कलाकारों, संगीतकारों, निर्देशकों व अन्य महारथियों ने भाग लिया। यशपाल शर्मा ने इस फिल्म उत्सव में प्रमुखता से हिस्सा लेते हुए प्रदेश के कलाकारों में नई ऊर्जा संचारित करने का काम किया।

'स्टेज ऐप' ने हरियाणवी सिनेमा को गति देने में अमूल्य योगदान दिया है। उस पर बहुत गंभीरता से कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश में कलाकारों की कमी नहीं है। एक से एक अदाकार, संगीतकार व अन्य कलाकार मौजूद हैं। बस उनको मौका मिलने की दरकार है। स्टेज ऐप में मौका मिल रहा है। बताया कि आने वाले दिनों में एक फिल्म आ रही है 'कालेज कांड'। इस फिल्म उनकी मुख्य भुमिका है। 'इसमें' और 'हरियाणा' फिल्म में हरियाणा के कलाकारों ने गजब का काम किया है। एक से एक बेहतरीन कलाकार निकलकर आया है। सतीश कौशिक की 'छोरियां छोरों से कम नहीं' फिल्म भी हिट रहने वाली है। इनके अलावा 'फौजा', '1600 मीटर' व 'तोता' फिल्मों से भी हरियाणा के दर्शकों को काफी आशाएं हैं। विश्वास चौहान व अन्य साथियों द्वारा तैयार की गई सीरिज 'मेरे यार की शादी' भी काफी सुर्खियां बटोर रही है।

चंद्रावल के बाद कोई बड़ी फिल्म हिट नहीं हो पाई के जवाब में यशपाल ने कहा कि इसके अनेक कारण रहे हैं, कहीं भाषा, संस्कृति, अदाकारी, संगीत व निर्देशन आदि आदि। अब वे कमियां दूर हो चुकी हैं। गिरते पड़ते हरियाणवी सिनेमा ने बहुत कुछ सीख लिया है, अब वह परिपक्व हो चुका है।

फिल्म 'पगड़ी', 'सतरंगी' व 'छोरियां छोरों से कम नहीं' फिल्मों ने नेशनल अवार्ड जीते हैं। उनमें हरियाणा के कलाकारों द्वारा बेहतरीन कार्य किया गया है। अब कमी बस दर्शकों की है। दर्शकों को चाहिए कि वे टिकट खरीदकर अच्छी फिल्में अवश्य देखें। इससे न केवल हजारों कलाकारों की रोजी रोटी जुड़ी है बल्कि देश प्रदेश की वे भावपूर्ण संस्कृति भी जुड़ी हैं जिन्हें हम आधुनिकता की दौड़ में पीछे छोड़ते जा रहे हैं। आधुनिकता के साथ साथ अपनी मूल संस्कृति को सहेजकर रखने की बहुत जरुरत है। हमारी संस्कृति में विज्ञान एवं धर्म का अनूठा सामंजस्य है जो स्वस्थ्य समाज के लिए अति आवश्यक है। फिल्में समाज में एकरसता व एकजुटता लाने का काम करती हैं तथा सामाजिक विसंगतियों पर प्रहार करती हैं।

'चाल्लो उस देस में, जड़ै संगीत हो। ना हो द्वेष-क्लेश, उड़ै भाईचारा हो।' यशपाल शर्मा ने कहा कि संघर्ष हर क्षेत्र में होता है। इस क्षेत्र में भी है। मगर जब तक चुनौतियां न हों तो जिंदगी का मजा नहीं होता। उनकी 'दादा लख्मी' करीब साढ़े पांच साल में बनकर तैयार हुई है। तैयार होने के बाद रिलीज होने के लिए आज भी इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा कि वे हरियाणा के सभी कलाकारों को साथ लेकर आगे बढ़ने का काम रहे हैं। उन्हें उम्मीद है हरियाणा सरकार की फिल्म नीति भी हरियाणवी सिनेमा के उत्थान में बहुत उपयोगी साबित होगी।

सुण छबीले बोल रसीले

लैक्शन की तैयारी

छबीला व रसीला घर के बाहर चौतरे पर बैठे होक्का गुड़गुड़ाण लागरे थे। कई देर की चुप्पी के बाद छबीला बोल्या -रसीले।

-हूं। रसीला लांबी घूंट मारकै बोल्या।

-सरपंची का लैक्शन लड़ ल्यूं?

- घणे पिस्से होरे सैं? मनैं दे दे, खाद के कट्टे और डांगरां खातिर बाखर ले आऊंगा।

- पिस्से तो कोन्या हो रे रसीले। पर गाम-राम में छोटी-मोटी इतणी समस्या सैं अक उनका समाधान तो चाहिए। कोय उनकी चिंता नहीं करता। सब आंख मूंदे पड़े सैं। किसे अफसर तैं बात करैं तो किस हैसियत तैं करैं? कुछ आपणे में वजन होगा जिबै तै किते सुणवाई होगी।

- भाई छबीले, म्हारे गाम में जितणे भी चौधरी बणे, सारे अनपढ़ बणे। उननै विकास का क ख ग नहीं बेरा था। वरना म्हारे परदेश में कई गाम घणे सुथरे सैं। पंचायत नैं गाम आल्यां के सहयोग तैं गाम में ठाठ ला राखे सैं। पार्क ताहीं बणवा दिए। सारी गाल चकाचक। निकासी का पानी बेरा नहीं कितोड़ जा सै। पीणे के पानी की बढ़िया व्यवस्था।

-जिबै तो कहूं सूं, लैक्शन लड़ना पड़ैगा। खर्चा होज्यागा जितणा होगा। सरपंच बणग्या तो काम कराऊंगा। मनै बेरा सै गाम आल्यां कै कोई शान-अहसान कोन्या होवै। पर लोग याद तो राखेंगे।

-करले भाई तैयारी। म्हारी वोट पक्की।

-रसीले, इसकी तैयारी तो मन्नै कालै कर दी थी। तेरी भाभी तैं कहूं था, अक मेरे चार जोड़ी सफेद कुड़ते-पजामे सिमवा दे, पर वो रौला करण लागी।

- क्यूं भाई इसमें रौले की के बात थी?

- न्यू बोली एकै ड्रेस भतेरी। जमानत जब्त होगी तो सारी ड्रेस पड़ी-पड़ी हांडेंगी।

- ले, यो भी कोय बात होई। जमानत जब्त क्यूं होवैगी। पढ़ा लिख्या सै। सौ परसेंट जीतैगा।

- मैं भी न्यूए कहूं था। पर वा न्यू बोली- ये पढ़े लिखे उम्मीदवार घणे हार्या करैं। गाम आल्यां नै पढ़े-लिखे कम, कढ़े- छटे ज्यादा चाहिएं। पाछले लैक्शनां में कालिए के छोरे की बहू सरपंचणी बणी थी। वा पढ़ी लिखी थी, पर वोट तो गाम आल्यां नै कालिए ताहीं दी थी। जिसनै न्यू नहीं बेरा उपमंडल और ब्लॉक के हो सै?

- छबीले एक काम करैं। तूं आपणे कुड़ते पाजामे सिमवाण की टाल मार। मेरी भाभी के छह सूट सिमवादे। सरपंची का लैक्शन उसनै लड़वावैंगे। वो बीए पास सै। ईमानदार सै और तेज भी सै। वो सारे काम करा देगी। मनैं देख्या सै वा तनै धमकाती हाणा कतई वार नहीं लाती। और जो आपणे आदमी नै धमका सकै सै वा किसे नै भी आगै धरकै ले सकै सै। अफसर हो या कर्मचारी वो किसे तैं नहीं दबैगी। सीधे मुहं बात करैगी। गारंटीड सरपंचणी बणैगी। दखे उसकी लुगाइयां में भी खूब चालै सै। आगे तैं राम-राम करती चाल्या करैं।

- हां रसीले, बात तो यो भी ठीक सै। और फेर हाम के काम आवैंगे। जित हामनै जाणा होगा जावैंगे। काम करणा ढ़ोगा तो काम करैंगे।

-पर छबीले वोट तो हामनै भी मांगणी पड़ैगी। गाम में जितणे भी लोग सैं उनने चाचा-ताऊ और लुगाइयां नै चाची-ताई कहते हुए राम-राम करणी पड़ैगी, हाथ जोड़कै वोट मांगणी पड़ैंगी।

- रसीले यो भी चाळा होवैगा। उन खुंड्यां गेल्यां तो म्हारी बोलचाल कोन्या, उनती राम-राम क्यूकर होवैगी?

- बावले योए मौका सै बोलचाल का। बेशर्म होकै हाथ जोड़कै भीतर बड़ जाइये और कह दिए सारां नै राम-राम। आगली-पाछली सारी गलती माफ। ईब काम की बात यो सै अक सरपंची की वोट दे दियो। जो भाभी लागैं सैं उनतै भी चाची-ताई कह दिए। लैक्शनां में सब चालै सै।

- ईब एकबै आपणी भाभी नै तो कह दे अक लैक्शनां की तैयारी कर लेगी।

-हां हां, अरी छबीले की बहू, सुणै सै के। ईबकै लैक्शन छबीला नहीं लड़ैगा, तूं लड़ैगी। बस यू फाइनल फैसला। ईब आपणे दो सूट सिमवा या छह सूट।

- ठीक सै रसीले, मेरे मन में भी यो ए थी। तैयारी शुरू कर दो। गाम की राजनीति घणी आच्छी तो होती नहीं, पर जै न्यूए चालता रहा तो घणे पाछै चले जांगे। आणे वाली पीढ़ी हामनै माफ नहीं करैगी। सरकार की नीतियां में कमी कोन्या, काम करवाण आल्यां की नीयत और ज्ञान में कमी सै। जो लोग ठीक पढ़े लिखे सैं वे सब न्यू कह दे सैं- हामनै के?

दूसरे गामां के विकास का जिक्र तो कर दे सैं, पर करणा कुछ नहीं। उन जिसा बणना पड़ैगा। एक दूसरे तैं जलन की बजाय सहयोग करणा पड़ैगा। मिल जुलकै रहणा पड़ैगा। ठाली रहण की आदत छोड़कै काम करणा पड़ैगा। कुल मिलाकै 'सबका साथ-सबका विकास' कराणे की नीति पै सबनै चालणा पड़ैगा। ससमें सब का भला सै।

- ईमली की मां तूं तो सरपंच बणन तैं पहल्यां ए सरपंची दिखाण लागगी। बधाई हो।

-मनोज प्रभाकर

आयी बरसात सुहानी

बरसात है ऋतुओं की रानी,
चारों तरफ बरसा है पानी,
लोगों ने है छतरी तानी।।
नभ में काले बादल छाये,
नाचे मोर पंख फैलाए,
कोयल मीठे गीत सुनाये।।
झूम उठे हैं सब किसान,
सब खाएं मीठे पकवान।
सबका हो इससे कल्याण,
क्या निर्धन क्या धनवान।।
वर्षा खुशहाली फैलाती है,
कुछ देने का संदेश सुनाती है।
इसे सुने हम इसे गुने हम,
वर्षा जैसा सरस् बनें हम।।

-संतोष कुमारी वोहरा

डॉ अमित अग्रवाल, भा.प्र.से. प्रबंध निदेशक, संवाद (सूचना जन संपर्क एवं भाषा विभाग) हरियाणा द्वारा हरियाणा सरकार के लिए कमरा नं. 314, दूसरी मंजिल, लघु सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला से प्रकाशित।
कार्यालय : संवाद सोसायटी एससीओ 23, पहली मंजिल, सेक्टर 7, चंडीगढ़ फोन : 0172-2723814, 2723812 email : editorsamvad@gmail.com